

## वश्व पर्यावरण दविस

### चर्चा में क्यों?

पर्यावरण संरक्षण के प्रतजिगरूकता बढ़ाने के लयि प्रतविरष 5 जून को [वश्व पर्यावरण दविस](#) मनाया जाता है ।

### मुख्य बदि:

- हाल ही में वनों की कटाई/नरिवनीकरण से नपिटने के लयि एक उल्लेखनीय पहल करते हुए दो पर्यावरणवर्दों, **जय धर गुप्ता** और **वजिय धस्माना** ने उत्तराखंड के [राजाजी राष्ट्रीय उद्यान](#) के भीतर एक [टाइगर रज़िरव](#) में भारत का पहला [बायोस्फीयर](#) बनाया, जसै राजाजी राघाटी [बायोस्फीयर \(RRB\)](#) कहा जाता है ।
- बायोस्फीयर एक **35 एकड़ की नजी वन पहल** है जसिका उद्देश्य कषेत्र को शकारियों और खनन से बचाते हुए देशी वृक्षों की **दुरलभ तथा लुप्तप्राय प्रजातयों की पहचान करना एवं उन्हें पुनरजीवति करना** है ।
  - RRB के लयि नरिधारति **भूमिपहले बंजर और कषरति अवस्था में थी** ।
- वे [पश्चिमी घाट](#) के साथ महाराष्ट्र के पुणे के पास [सह्याद्री टाइगर रज़िरव](#) के बफर ज़ोन में **कोयना नदी** के ऊपर एक दूसरा बायोस्फीयर भी वकिसति कर रहे हैं ।

## वश्व पर्यावरण दविस

- परचिय:
  - [संयुक्त राष्ट्र सभा](#) ने वर्ष 1972 में वश्व पर्यावरण दविस की स्थापना की, जो मानव पर्यावरण पर [सटाँकहोम कनर्वेशन](#) का प्रथम दनि था ।
  - वश्व पर्यावरण दविस (WED) प्रतविरष एक वशिष्ट थीम और नारे के साथ मनाया जाता है जो उस समय के प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों पर केंद्रति होता है ।
    - वर्ष 2024 में WED की मेज़बानी **सऊदी अरब** करेगा ।
    - भारत ने वर्ष 2018 में **‘प्लास्टिक प्रदूषण को हराएँ’** थीम के अंतर्गत वश्व पर्यावरण दविस के 45वें समारोह की मेज़बानी की ।
  - वर्ष 2021 में WED समारोह ने [पारसिथितिकी तंत्र बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक \(2021-2030\)](#) की शुरुआत की, जो वनों से लेकर खेतों तक, पर्वतों की चोटयों से लेकर सागर की गहराई तक अरबों हेक्टेयर भूमि को पुनरजीवति करने का एक वैश्विक मशिन है ।
- वर्ष 2024 की थीम:
  - भूमि पुनरस्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से नपिटने की कषमता ।
  - वर्ष 2024 [मरुस्थलीकरण रोकथाम हेतु संयुक्त राष्ट्र कनर्वेशन \(UN Convention to Combat Desertification-UNCCD\)](#) की 30वीं वर्षगाँठ भी होगी ।